मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 10 **MTT–055**

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (संशोधित)

(पी.जी.डी.टी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.टी.टी.-055 : अनुवाद : साहित्य और जनसंचार

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रश्न संख्या **1** से **6** तक किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग **500** शब्दों में दीजिए। प्रश्न संख्या **7** तथा **8** अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख दिए गए हैं।*

1. कविता के अनुवाद की विभिन्न पद्धतियों पर प्रकाश डालिए। 15

2. कथेतर साहित्य की प्रमुख विधाओं और उनके अनुवाद की रणनीतियों की विवेचना कीजिए। 15

3. "भारतीय साहित्य की अवधारणा के निर्माण में सामाजिक-सांस्कृतिक आंदोलनों की विशिष्ट भूमिका है।" अनुवाद के संदर्भ में इस कथन पर विचार कीजिए। 15

4. विज्ञापनों के अनुवाद की चुनौतियों की विस्तृत चर्चा कीजिए। 15

5. पार्श्व वाचन से आप क्या समझते हैं ? पार्श्व वाचन और अनुवाद के अंतर्संबंध पर प्रकाश डालिए। 15

6. 'श्रव्य माध्यम और अनुवाद' विषय पर निबंध लिखिए। 15

7. निम्नलिखित में से किसी **एक** अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 20

After listening to Diya's reasonable voice Aaliya decided to call her two friends, the twins from the Shimla Investigator's Team after visiting

college, her Alma mater, to make a fair assessment of the mystery. She will ask them to meet her at their fixed place in the afternoon. Harshit and Ishmit, she was sure, would joyously agree. It did not make sense to make the boyes excited without confirming whether there was a mystery or not. She took the bus from Summer Hill and got down at Nav Bahar Chowk. How she loved this place ! She had spent some of the best years of her life here in this college – gossiping, loitering, eating gol-gappas, discussing politics and spending countless hours grudging about the difficult and many a times quite unpractical syllabus. What use will these studies be in their later lives ? As she walked past the main gate into the premises she noticed that things had not

changed much. There was the same open court to her left where she played basketball and volleyball. On the right, she could see the familiar red tin roofed buildings where classes were held.

अथवा

Shubman Gill and Shardul Thakur will not be playing in the final ODI against Australia at Rajkot as the team management has decided to give them a break. The duo will not fly to Rajkot, the venue of the third game, and will instead join the team in Guwahati where India will begin their ODI World Cup journey.

Gill scored a century in Indore in the second ODI against Australia, his sixth overall and fifth in this year. Gill has two hundreds against

New Zealand, and one apiece against Bangladesh, Sri Lanka and Australia this year. He also has a T-20I century this year. Shubman Gill is the leading run-scorer in ODIs in 2023 with 1230 runs in 20 innings at an average of 72.35 and a strike rate of 105.03.

The first ODI against Australia was the first time he was playing at his home venue in Mohali as an India cricketer. “I was 7 years old when we came to Mohali for the first time. Since I had seen so many matches here as a spectator, it was a dream for me to play an international match in Mohali. I’d played a couple of IPL matches but to play an international match with my family watching was special,” Gill had said.

8. निम्नलिखित में से किसी **एक** अनुच्छेद का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : 20

कुछ देर तक मैं वहाँ चुपचाप खड़ा रहा। मेरे मन में अचानक बाबू के प्रति भीगी-भीगी-सी सहानुभूति उमड़ने लगी। माँ के संग मेरा सम्बन्ध अधिक सहज और सीधा था। बाबू के संग जो संकोच और तनाव रहता है, वह माँ के संग बिल्कुल नहीं है। वह कोई भी प्रतिवाद किए बिना मेरी हर फरमाइश को चुपचाप मान लेती हैं—किन्तु इतना सब करने पर भी वह मुझसे हमेशा दूर रहती हैं, कभी न मिटने वाला एक अलगाव बनाए रखती हैं। उनके सामने मुझे लगता है कि मैं एक बहुत ही छोटा, बेडौल और निरर्थक-सा प्राणी बन गया हूँ। किन्तु बाबू की बात दूसरी है। मैं उनसे डरता हूँ, कोई भी फरमाइश करते समय मेरा दिल धड़कने लगता है, कभी खुलकर

उनसे मैंने अपने मन की बात नहीं की। इसके बावजूद वे मुझे अपने अधिक निकट और जाने–पहचाने लगते हैं। कुछ ऐसा है, जो हम दोनों को माँ से अलग कर देता है, इसीलिए माँ को चाहते हुए भी उन पर कभी सहानुभूति नहीं होती और बाबू से डरते हुए भी उन्हें देखकर कभी–कभी मेरे भीतर कुछ रुआँसा हो जाता है।

बाबा ने पीछे मुड़कर मुझे देखा और एकटक देखते रहे। मुझे लगा जैसे वह कुछ देर के लिए मेरी उपस्थिति बिल्कुल भूल गए थे और अब सहसा मुझे अपने सम्मुख देखकर समझ न पा रहे हो कि मैं कौन हूँ, उनके कमरे में कैसे खड़ा हूँ ? मैं कमरे से बाहर चला आया। कुछ देर तक बड़े कमरे की दीवार से सटकर बाबू के कमरे की देहरी पर खड़ा रहा। सोचा था, बाबू बाहर आकर

मुझसे कुछ कहेंगे, किन्तु यह मेरा भ्रम था। उनके कमरे में सिर्फ सन्नाटा था—एक घना गहरा-सा सन्नाटा, जो हमारे सारे घर पर घिर आया था। और तब उस क्षण मुझे लगा कि मैं बहुत अकेला हूँ, बाबू भी अपने में बहुत अकेले हैं। माँ के बिना हर कमरा साँय-साँय-सा करता प्रतीत होता है।

अथवा

इसरो द्वारा 14 जुलाई को प्रक्षेपित चंद्रयान-3 अपने तय कार्यक्रम के अनुसार लक्ष्य पथ की ओर बढ़ रहा है और इसरो को उम्मीद है कि 23 अगस्त को सफलतापूर्वक रोवर को चाँद की सतह पर उतार दिया जाएगा। इसरो प्रमुख ने कहा कि चंद्रयान मिशन का यह चरण सबसे महत्वपूर्ण होगा।

इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने कहा कि चंद्रयान–3 अच्छी स्थिति में है और वह सही दिशा में बढ़ रहा है। इसका सबसे महत्वपूर्ण चरण अगले कुछ दिनों में शुरू होने वाला है जब अंतरिक्षयान 100 किमी. की गोलाकार कक्षा में प्रवेश कर चंद्रमा के करीब जाना शुरू करेगा।

उन्होंने कहा कि अभी चंद्रयान को, चाँद की अंडाकार कक्षा में स्थापित किया गया है, जिसका दायरा 170 किमी से लेकर 4313 किमी. तक है। अगले चरण में 9–17 अगस्त के बीच इसे चंद्रमा की 100 किमी की गोलाकार कक्षा में स्थापित किया जाएगा। इसके बाद चंद्रयान से विक्रम लैंडर को चंद्रमा पर उतारा जाएगा जिसमें एक रोवर होगा जो चाँद की सतह का विश्लेषण करेगा। उन्होंने कहा कि 23 अगस्त को यह संभावित हो

सकता है। लेकिन अंतिम तिथि वह समय की घोषणा कुछ दिन बाद की जाएगी। सोमनाथ ने कहा कि पिछले अनुभवों से सबक लेते हुए इस बार हम इसे बहुत सुलझे हुए तरीके से नीचे उतारने में सक्षम हैं।

× × × × × × ×